7

विद्यार्थी जीवन में करियर परामर्श की भूमिका

गुलशन कुमार*

विद्यार्थी जीवन में करियर परामर्श की अहम भूमिका है। स्वतंत्रता के 77 वर्ष बीत जाने के बाद भी भारतीय शिक्षा के अंतर्गत विद्यार्थियों को करियर संबंधी परामर्श नहीं मिल पा रहा है जिस कारण विद्यार्थी अपने करियर से भटक जाते हैं। विगत कुछ वर्षों से सरकारों द्वारा विद्यालयों में निर्देशन व परामर्श के तहत परामर्शदाताओं की नियुक्ति की गई है जिससे विद्यार्थियों में करियर के प्रति समझ विकसित हो सके, विद्यार्थी अपना करियर अपने अनुसार तय कर सकें, करियर के अनुकूल शिक्षा ग्रहण कर सकें। परंतु सवाल यह है कि क्या इन प्रयासों से विद्यार्थियों में बदलाव आ रहे हैं? क्या विद्यार्थी अपने इच्छानुसार करियर का चयन कर पा रहे हैं? क्या विद्यालयों में नियुक्त परामर्शदाता विद्यार्थियों को उक्त दिशा में करियर के प्रति परामर्श दे पा रहे हैं? सरकारों को यह समझना होगा कि विद्यालयों में मात्र परामर्शदाताओं की नियुक्ति कर देने से समस्याओं का समाधान नहीं होगा, अपितु उसके लिए और अधिक प्रयास करने होंगे, जैसे कि विद्यालयों में परामर्शदाताओं की संख्याओं को बढ़ाना होगा और परामर्शदाताओं को करियर परामर्श संबंधी वो तमाम कौशलों के लिए प्रशिक्षित करना होगा जो करियर परामर्श देने में सहायक होते है। अतः आज का विद्यार्थी ही कल का सुनहरा भविष्य है, अगर यह सही दिशा में आगे नहीं बढ़ा तो चिंतनीय है। प्रस्तुत लेख इसी संदर्भ में है।

'विद्यार्थी जीवन' के दौरान का काल खंड स्वर्ण काल माना जाता है। इसी काल खंड में विद्यार्थी ज़्यादातर अपने अभिभावकों पर आश्रित होते हैं। खेल-कूद, विद्यालयों के अन्य गतिविधियों में भाग लेना, अपने अभिभावकों के कार्यों में हाथ बटाना इत्यादि। विद्यार्थी जीवन किसी भी व्यक्ति के लिए अत्यंत सुनहरा समय होता है। इस समय के दौरान विद्यार्थियों में कोई खास प्रकार का मानसिक तनाव नहीं होता। विद्यार्थी जीवन किशोरावस्था के काल खंड से गुज़रता है इस अवस्था में विद्यार्थियों का मन बहुत चंचल होता है। इसलिए मानव विकास हेतु किशोरावस्था के दौरान मार्गदर्शन और परामर्श देना बहुत महत्वपूर्ण है (एलियामनी और अन्य, 2014)। किशोरावस्था में करियर परामर्श एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है जो विद्यार्थियों के

*पीएच.डी. शोधार्थी, शिक्षा विभाग, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा, महाराष्ट्र 442 001

भविष्य की दिशा तय करने में सहायक सिद्ध होता है। समाज में करियर परामर्श की भूमिका बहुत लोग अदा करते हैं, जैसे— मित्रगण, माता-पिता, आस-पड़ोस, शिक्षक, परामर्शदाता इत्यादि। फिर भी विद्यार्थियों के मन में कहीं न कहीं करियर के प्रति एक द्वंद होता है कि उन्हें भविष्य में क्या करना चाहिए? किस क्षेत्र में करियर का चयन करना चाहिए?

वैश्विक परिदृश्य में व्यावसायिक जानकारी की प्रासंगिकता का प्रमुख ज़ोर युवाओं में बेरोज़गारी, गरीबी और कौशल विकास में अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा के मुद्दों को संबोधित करता है जिससे विद्यार्थियों को विभिन्न करियर के क्षेत्रों में चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, आगे चलकर वे अपनी शिक्षा पूरी करने के बाद खुद को ऐसे मुकाम पर पाते हैं कि वे अपनी आकांक्षाओं के संबंध में उनकी क्षमताओं, अभिरुचियों, रुचियों और मनोवृत्ति प्रतिरूप को समझने, स्वीकार करने और उपयोग करने के लिए परामर्शदाता की सहायता के बिना प्राप्त नहीं कर सकते। अतः परामर्शदाताओं की विद्यालय स्तर पर बहुत ही आवश्यकता है जो विद्यार्थियों की दिशा-निर्देशन में सहायक है। परंतु दूसरा पहलु यह भी है कि आज बदलते समाज व बढ़ते सूचना प्रौद्योगिकी और संचार (आई.सी.टी.) की दुनिया में विद्यार्थी अधिक परिपक्व भी होते जा रहे हैं और उनकी पृष्ठभूमि पहले से कहीं अधिक विविध होती जा रही है। आज इंटरनेट के माध्यम से जानकारी आसानी से उपलब्ध हो जाती है और अब विद्यार्थी भी शिक्षकों की तरह बेहतर जानकारी रखते हैं।

विद्यार्थी जीवन में करियर परामर्श की बात करें तो करियर परामर्श विद्यार्थियों के लिए एक महत्वपूर्ण बिंदु है, जिससे विद्यार्थियों को सही दिशा का बोध होता है। विगत कुछ वर्षों से केंद्रीय विद्यालयों, जवाहर नवोदय विद्यालयों, दिल्ली एवं अन्य राज्यों के सरकारी विद्यालयों में निर्देशन एवं परामर्श के तहत परामर्शदाताओं को नियुक्त किया जाने लगा है, जो समय-समय पर विद्यार्थियों को करियर से संबंधित परामर्श प्रदान करते है। प्रायः देखा जाता है कि बहुत से विद्यार्थी अपने भविष्य के प्रति सचेत नहीं है, कभी वह कुछ बनने का सोचते हैं, तो कभी कुछ और अंत में अपने माता-पिता के कहने पर या अपने मित्रों के कहने पर किसी भी क्षेत्र में अपना करियर का चयन कर लेते हैं। ज़्यादातर विद्यार्थी अपने करियर को लेकर दिशाहीन होते है जिसका कारण यह है कि विद्यार्थियों को करियर के प्रति अच्छी सलाह का न मिल पाना, करियर के क्षेत्रों से संबंधित विभिन्न जानकारी का न होना, विद्यालयों में शिक्षा का अभाव होना, परिवारों में घरेलू झगड़े, विद्यार्थियों की निर्धनता, खराब सामाजिक परिवेश इत्यादि हो सकते हैं। इन्हीं उपरोक्त तथ्यों को ध्यान में रखकर अध्ययनकर्ता ने इस 'विद्यार्थी जीवन में करियर परामर्श की भूमिका' विषय पर समीक्षा करने के लिए प्रयासरत है।

करियर परामर्श

करियर परामर्श किसी व्यक्ति को किसी व्यवसाय को चुनने व उसमें सफल होने में मदद करता है। साथ ही, रोज़गार की बदलती दुनिया में अपना स्थान खोजने में भी मदद करता है। करियर परामर्श एक प्रकार की

विभिन्न व्यवसायों में अवसरों से संबंधित सलाह है जो आवश्यकतायुक्त व्यक्तियों को दी जाती है। करियर का संबंध किसी भी व्यवसाय के क्षेत्र में अपना भविष्य बनाना है और परामर्श को अक्सर एक ऐसे कार्य के रूप में देखा जाता है जिसके द्वारा मार्गदर्शन के उद्देश्यों को पूरा किया जा सके।

करियर परामर्श की आवश्यकता

किसी भी व्यवसाय के चयन हेतु करियर परामर्श की आवश्यकता महत्वपूर्ण है। खासकर विद्यार्थियों के लिए, क्योंकि विद्यार्थियों में अपने करियर को लेकर हमेशा द्वंद बना रहता है कि आगे आने वाले समय में वह क्या करेंगे? करियर का चयन किस क्षेत्र में करेंगे? किस विषय को पढ़ने से किस व्यवसाय को किया जा सकता है? नौकरी उचित है या व्यवसाय इत्यादि। इस प्रकार के द्वंदों को दूर करने के लिए करियर परामर्श आवश्यक है और इस आवश्यकता की पूर्ति विद्यालय कर सकते हैं, क्योंकि विद्यालयों में शिक्षा के साथ-साथ शिक्षकों द्वारा कहीं न कहीं परामर्श का भी कार्य किया जाता है। यादव (2020) उतराखंड में उच्चतर माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की निर्देशन आवश्यकताओं का अध्ययन कर पाया कि ग्रामीण विद्यार्थियों में निर्देशन की आवश्यकता अधिक है और कला संकाय और विज्ञान संकाय में कला संकाय के विद्यार्थियों को अधिक निर्देशन की आवश्यकता है। यह अध्ययन कहीं न कहीं दर्शाता है कि विद्यार्थियों में करियर परामर्श की आवश्यकता है। नेशनल ऑफिस फॉर स्कूल काउंसलर एडवोकेसी ने भी कहा है कि माध्यमिक विद्यार्थियों को अपनी माध्यमिक शिक्षा और करियर के बारे में निर्णय लेते समय विद्यालयी परामर्शदाताओं से बेहतर समर्थन की आवश्यकता है। आज के दौर में विद्यालयों में करियर परामर्शदाताओं को नियुक्त किया जा रहा है। शिक्षा मंत्रालय का यह एक सराहनीय प्रयास है। नियुक्त परामर्शदाता करियर परामर्श के तहत विद्यार्थियों को करियर से संबंधित क्षेत्रों को क्रमबद्ध तरीके से बताते हैं जिससे विद्यार्थी भविष्य में उचित करियर का चुनाव कर सकें।

करियर परामर्श में प्राथमिक शिक्षकों की भूमिका

करियर परामर्श विद्यार्थियों के लिए प्राथमिक स्तर से ही आवश्यक हो जाता है, क्योंकि विद्यार्थी कहीं न कहीं प्राथमिक स्तर से ही करियर को लेकर सोच-विचार करने लग जाते हैं कि वह बड़े होकर अपना करियर किस क्षेत्रों में बनाएंगे। इस स्थितियों में प्राथमिक स्तर के शिक्षकों की करियर परामर्श को लेकर भूमिका अधिक बढ़ जाती हैं कि वह कक्षा-कक्ष में विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम शिक्षाओं के साथ-साथ विद्यार्थियों को करियर से संबंधित विकल्पों से किस प्रकार जोड़ पाते हैं। प्राथमिक स्तर पर शिक्षक विद्यार्थियों के लिए शिक्षक ही नहीं, अपितु एक मित्र तथा अभिभावक के रूप में होता है जिससे विद्यार्थी अपनी समस्याओं को आसानी से कह पाने में सक्षम होते हैं और इन्हीं पहलुओं को ध्यान में रखकर इस स्तर पर शिक्षकों को शिक्षा के साथ-साथ करियर परामर्श का भी कार्य करना चाहिए। शिक्षकों को पढ़ाई के साथ-साथ विद्यार्थियों में करियर को लेकर जागरूक करते रहना चाहिए जिससे शुरुआती दौर

में ही विद्यार्थी करियर शब्द का मतलब समझ सकें और उसके बाद अपनी करियर से संबंधित योजनाएँ बनाना शुरू कर दें ताकि वह भविष्य में अपना लक्ष्य आसानी से प्राप्त कर पाने में सक्षम हो सकें।

विद्यार्थियों में करियर के प्रति जागरूकता

विद्यार्थियों में करियर से संबंधित जागरूकता देश, काल एवं परिस्थितियों के अनुसार पाई गई है। क्षेत्रों के अनुसार कुछ अध्ययनों से पता चलता है कि विद्यार्थियों में करियर के प्रति जागरूकता में कहीं पर कमी एवं कहीं पर जागरूकता अधिक पाई गई है। जोशी और कश्यप (2014) ने अपने अध्ययन में पाया कि उत्तराखंड के हल्द्वानी में 62 प्रतिशत विद्यार्थियों ने व्यवसाय के प्रति कोई प्रतिक्रिया नहीं दी, यह करियर के प्रति जागरूक नहीं होने के संकेत हैं। खान (2014) ने गांधीनगर में माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों पर अध्ययन किया और निष्कर्षों में पाया कि विद्यार्थियों में करियर के प्रति जागरूकता सामान्य से कम थी। झारखंड राज्य में जनजाति एवं गैर-जनजाति विद्यार्थियों पर अध्ययन कर पाया कि गैर-आदिवासी विद्यार्थियों में करियर जागरूकता का स्तर आदिवासी विद्यार्थियों की तुलना में काफ़ी अधिक है।

अधिकतर विद्यार्थियों को यह ज्ञात नहीं होता कि करियर परामर्श होता क्या है? ऐसे विद्यार्थियों को देखकर कहा जा सकता है कि यह शिक्षा के नाम पर विद्यालय जाकर शिक्षा की सीढ़ियाँ चढ़ रहे हैं, लेकिन ज्ञान के स्तर पर बिल्कुल भी परिपक्व नहीं हैं, जिस वर्ग में वह पढ़ रहें हैं उसके अनुसार से उनका ज्ञान शून्य है। ऐसे विद्यार्थियों पर सरकारों को ध्यान देने की आवश्यकता है, वहीं इसके विपरीत एक समाज ऐसा भी है जिसमें विद्यार्थियों में करियर के प्रति जागरूकता है, परंतु अध्ययन बताते हैं कि ज़्यादातर देश के विद्यार्थियों में चाहे वह किसी भी वर्ग या समाज का हो करियर की जागरूकता में कमी पाई गई है। ज़्यादातर विद्यालयी स्तर पर विद्यार्थियों को पता ही नहीं है कि जब वह कक्षा 11वीं में प्रवेश करेंगे तो वह किस विषय का चयन करेंगे? और वह किसी विषय का चयन करेंगे भी तो उस विषय को पढ़ने के क्या-क्या फ़ायदे हैं।

परामर्शदाताओं की भूमिका

विद्यार्थी जीवन में परामर्शदाताओं की भूमिका काफ़ी महत्वपूर्ण होती है। परामर्शदाता विद्यार्थियों की योग्यताओं एवं आवश्यकताओं के अनुसार परामर्श प्रदान कराते हैं जिससे विद्यार्थियों का भविष्य उज्जवल हो सके। परामर्शदाता विभिन्न क्षेत्रों में अपनी अलग-अलग विशेषज्ञता रखते हैं, जैसे— शिक्षा संबंधित परामर्श, परिवार संबंधित परामर्श, व्यवसाय संबंधित परामर्श इत्यादि। परामर्शदाताओं के अपने-अपने परामर्श संबंधी क्षेत्रों में एक अहम भूमिका होती है। उसी प्रकार करियर परामर्शदाता किसी व्यक्ति द्वारा किसी व्यवसाय को चुनने, तैयार करने तथा सफल होने में मदद करता है। वह विद्यार्थियों के व्यावसायिक उद्देश्यों को भी स्पष्ट करता है तथा अन्य कार्यों में भी लोगों को उनके विकल्पों को समझने में मदद करना, उन्हें अपने काम से संबंधित परिवर्तनों से निपटने में मदद करना और लोगों को बदलती

दुनिया में अपना स्थान खोजने में मदद करना शामिल है। इतना ही नहीं मार्गदर्शन और परामर्श सेवाओं के निष्पादक के रूप में परामर्शदाताओं को उन सेवाओं में नवाचार करने की आवश्यकता भी होती है जिन पर वे लागू होते हैं। नवाचार के साथ-साथ परामर्शदाता की भूमिका विद्यार्थियों में लक्ष्य एवं कार्य के प्रति आत्मविश्वास भरना भी है।

विभिन्न प्रदेशों द्वारा की गई करियर परामर्श संबंधित अनुशंसाएँ

1. **'मेंटर कार्यक्रम' दिल्ली सरकार**— राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में 2022 को सरकार द्वारा विद्यालयों के लिए 'देश के मेंटर' कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया, जिसका उद्देश्य युवा स्वयंसेवकों का एक आंदोलन बनाना था जो कक्षा 9–12 तक के विद्याथियों के निर्देशन व परामर्श के रूप में कार्य करेंगे। इस उद्देश्य के तहत उन विख्यात लोगों को जोड़ना था जो प्रत्येक विद्यालयों से विद्यार्थियों को गोद लें और करियर निर्देशन एवं मार्गदर्शन का कार्य निरंतर करें।
2. **'करियर परामर्श एवं मार्गदर्शन कार्यक्रम' मध्य प्रदेश सरकार**— 'करियर परामर्श एवं मार्गदर्शन कार्यक्रम' के तहत मध्य प्रदेश सरकार ने वर्ष 2022 में प्रोजेक्ट 'लक्ष्य' के अनुसार कार्यक्रम का आयोजन किया जिसके तहत सरकार ने करियर परामर्श हेतु विभिन्न तैयारियाँ करवाईं जो निम्न है—
   - सभी विद्यालयों में करियर परामर्श कक्ष की स्थापना करना।
   - कक्षा 9–12 के लिए परामर्शदाताओं का चयन करना जो किसी करियर परामर्श के क्षेत्र में डिग्री या डिप्लोमा किए हुए हों।
   - इन विद्यालयों में करियर परामर्शदाताओं को दो वर्गों में विभाजित किया गया है। प्रथम कक्षा 9 व 10 हेतु अलग परामर्शदाता तथा कक्षा 11 व 12 हेतु अलग परामर्शदाता।
   - करियर परामर्श हेतु कक्ष हवादार एवं रोशनीदार हों।

   इस योजनाओं के तहत मध्य प्रदेश सरकार ने विद्यार्थियों के करियर परामर्श को लेकर एक सही दिशा में कार्य किया है जिसका परिणाम विद्यार्थियों पर सकारात्मक है।
3. **'महा करियर पोर्टल योजना 2023' महाराष्ट्र सरकार**— महाराष्ट्र सरकार एवं शिक्षा मंत्रालय द्वारा वर्ष 2023 में 'महा करियर पोर्टल योजना' का प्रारंभ किया गया। इस पोर्टल को बनाने का उद्देश्य ज़रूरतमंद विद्यार्थियों को करियर परामर्श एवं मार्गदर्शन और नौकरी के अवसर प्रदान करना, कक्षा 9–12 तक के विद्यार्थियों को करियर संबंधित सूचनाएँ प्रदान कराना तथा उन विद्यार्थियों तक परामर्श पहुँचाना जो कक्षा 10 व 12 के बाद करियर मार्गदर्शन की तलाश में हैं जिससे विद्यार्थियों को करियर के क्षेत्रों से संबंधित सूचनाओं का ज्ञान हो सके। इस योजना के पोर्टल पर हज़ारों परामर्शदाता उपलब्ध हैं जो विद्यार्थियों के लिए करियर से संबंधित दिशा-निर्देशन का कार्य कर रहें हैं।
4. **'पंजाब करियर परामर्श पोर्टल योजना' 2023 पंजाब सरकार**— हाल ही में पंजाब

सरकार ने विद्यार्थियों के लिए करियर परामर्श पोर्टल का निर्माण किया है जो 'स्टेट ब्यूरो ऑफ एजुकेशनल और वोकेशनल गाइडेंस' के तहत विद्यार्थियों को परामर्श सेवाएँ प्रदान कराना चाहती है। इसलिए पंजाब सरकार नें पोर्टल के माध्यम से करियर परामर्श हेतु ऑनलाइन प्रक्रिया का प्रारंभ किया। इस प्रक्रिया के तहत सरकार विद्यालयों में विद्यार्थियों के लिए करियर संबंधी जानकारी, प्रवेश परीक्षाएँ और छात्रवृत्ति पर 1047 घंटे के करियर पाठ्यक्रम के साथ व्यक्तिगत करियर परामर्श प्रदान कराती है। यह पोर्टल राज्य के विद्यालयों और कॉलेज में अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए करियर मार्गदर्शन देने के लिए बनाया गया है।

करियर परामर्श, निर्देशन एवं परामर्श का ही एक अंग है जिसमें करियर परामर्श संबंधी योजनाएँ निहीत होती हैं। माध्यमिक व उच्च माध्यमिक स्तर पर व्यावसायिक शिक्षा के अंतर्गत करियर परामर्श को लेकर एन.सी.एफ. 2005 में कहा गया है कि करियर मनोविज्ञान और परामर्श का प्रावधान किया जाए जिसमें वंचित वर्गों, प्रतिकूल शारीरिक व मानसिक स्थिति वाले विद्यार्थियों में करियर परामर्श विकासात्मक उपकरण का कार्य कर सकता है जिसकी मदद से विद्यार्थी भविष्य में उचित करियर का चयन कर अपना भविष्य बना सकें (एन.सी.एफ., 2005, पृ.सं. 131–132)। वर्तमान में योजनाओं की शुरुआत भी हो चुकी है, किंतु यह देखना होगा कि यह योजनाएँ कहाँ तक सफल हो पा रही हैं? राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भी करियर प्रबंधन और प्रगति संबंधी अनुशंसाओं में कहा गया है कि उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे शिक्षकों की पहचान की जानी चाहिए और उन्हें पदोन्नति और उनके वेतन में भी वृद्धि करनी चाहिए जिससे वह शिक्षा या परामर्श संबंधी कार्यों में और ज़्यादा सक्रिय हो सकें (एन.पी.ई., 2020, पृ.सं. 34)।

शैक्षिक निहितार्थ

विद्यार्थी जीवन में करियर परामर्श एक सूचक का कार्य करता है जो शिक्षा के साथ-साथ सही व्यवसाय के चयन में भी सहायक होता है। उपरोक्त तथ्यों से ज्ञात होता है कि विद्यार्थी जीवन में करियर परामर्श बहुत ही आवश्यक है। यह परामर्श विद्यार्थियों के जीवन में प्राथमिक कक्षा की शिक्षा के साथ ही शुरू हो जाना चाहिए और निरंतर उच्चतर शिक्षा तक चलते रहना चाहिए जिससे विद्यार्थी उक्त व्यवसाय का चयन कर सकें। इस अध्ययन के माध्यम से यह भी ज्ञात होता है कि विद्यार्थीयों को करियर परामर्श दिए जाने की आवश्यकता है। इस अध्ययन के माध्यम से विद्यार्थियों, विद्यार्थियों के अभिभावकों तथा विद्यालयों के शिक्षकों को विद्यार्थी जीवन में करियर परामर्श की भूमिका का बोध होगा और शिक्षा जगत में करियर परामर्श की आवश्यकताओं का पता चल सकेगा। भारत सरकार को करियर परामर्श से जुड़े किन-किन बिंदुओं पर निर्णय लेने की आवश्यकताएँ हैं इसका बोध हो सकेगा। अतः इन सब आवश्यकताओं की पूर्ति के बाद विद्यार्थी अपने जीवन में उक्त करियर का चुनाव कर भविष्य में सफलतापूर्वक अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर पाने में सक्षम हो सकेंगे।

निष्कर्ष

यह आलेख विद्यार्थी जीवन में करियर परामर्श की भूमिका को दर्शाता है जिसके अंतर्गत विद्यार्थियों में करियर परामर्श संबंधित जागरूकता, विद्यालयों की भूमिका, परामर्शदाताओं की भूमिका तथा परामर्श की भूमिका शामिल है। उपरोक्त तथ्यों के आधार पर कहा जा सकता है कि विद्यार्थी जीवन में करियर परामर्श की आवश्यकता उतनी ही होती है जितना की विद्यार्थियों को शिक्षा की आवश्यकता होती है। विद्यालयों में शिक्षकों एवं करियर परामर्शदाताओं को विद्यार्थियों के करियर के प्रति ध्यान देना चाहिए। नग'एनो (2014) ने भी अपने अध्ययन में पाया है कि करियर आवश्यकताओं से संबंधित मार्गदर्शन कार्यक्रम के क्षेत्रों पर विद्यालयों में बहुत कम ध्यान दिया जाता है, जैसे— करियर पुस्तिका, ब्रोशर की उपलब्धता, करियर सलाह और करियर प्लेसमेंट इत्यादि। विद्यार्थियों को करियर परामर्श उनकी शिक्षा के साथ-साथ परस्पर मिलते रहना चाहिए जिससे विद्यार्थियों की करियर परिपक्वता उक्त हो सके। समय-समय पर सरकारों द्वारा विद्यार्थियों के लिए करियर के क्षेत्रों में परिपक्व बनाने के लिए करियर परामर्श संबंधित कार्यक्रमों का आयोजन करवाते रहना चाहिए। जब विद्यार्थियों को एक संपूर्ण करियर परिपक्वता प्राप्त होगी तभी उनकी उपलब्धि सार्थक हो सकेगी। विद्यालयों में करियर शिविर का आयोजन करवाया जाना चाहिए। जिसमें यह बताया जा सके कि विद्यार्थी करियर का चयन किस-किस क्षेत्रों में कर सकते हैं। विद्यालयों में निर्देशन सेल स्थापित किया जाना चाहिए, शिक्षकों को भी निर्देशन संबंधी प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए जिससे विद्यार्थियों की करियर संबंधी समस्याओं का समाधान किया जा सके (श्रीवास्तव और अन्य. 2015)। ऐसी योजनाओं से विद्यार्थियों के आत्मविश्वास के साथ-साथ उनके अपने पसंदीदा करियर के प्रति रुझान भी बढ़ेगा और भविष्य में उचित करियर निर्णय लेने में सक्षम हो सकेंगे।

अतः उपरोक्त तथ्यों का अध्ययन करने के बाद कहा जा सकता है कि विद्यार्थी जीवन में शिक्षा के क्षेत्रों से संबंधित हर उन व्यक्तियों की आवश्यकता है जिसकी विद्यार्थियों को ज़रूरत पड़ती है, जैसे— शिक्षक, मित्र, परामर्शदाता, समाज, अभिभावक इत्यादि। तभी विद्यार्थी पूर्ण रूप से करियर बनाने में सक्षम हो पाएँगे। इनमें से किसी एक की भी भूमिका में कमी पाई जाती है तो विद्यार्थियों की दिशा भटक सकती है। इनकी यह तारतम्यता विद्यार्थियों के लिए बहुत ही आवश्यक है। करियर परामर्श से संबंधी पूर्ववर्ती अध्ययन में, जैसे— खुर्शीद एवं तबुसुम (2012), बकर और अन्य (2011) ने विद्यार्थी जीवन संबंधित करियर परामर्श का अध्ययन किया। जिसके अंतर्गत उन्होंने पाया कि विद्यार्थियों के जीवन में विभिन्न स्तरों पर, जैसे— शिक्षकों द्वारा, परामर्शदाताओं द्वारा, अभिभावकों द्वारा करियर संबंधी परामर्श दिए जाने की आवश्यकता है।

संदर्भ

एलियामनी, एम.पी., एम.एल. रिचर्ड और बी. पीटर. 2014. एक्सेस टू गाइडेंस और काउंसलिंग सर्विसेज और इट्स इन्फ्लुएंस ओन स्टूडेंटस' स्कूल लाइफ और करियर चॉइस. *अफ्रीकन जर्नल ऑफ गाइडेंस और काउंसलिंग.* 1(1), पृ. 06.

करियर परामर्श एवं मार्गदर्शन कार्यक्रम— 2022. https://www.vimarsh.mp.gov.in/files/ccc4.pdf से प्राप्त किया गया।

खान, जेड.ए. 2014. ए स्टडी ऑफ प्रोफेशनल करियर अवेयरनेस ऑफ क्लास 10 स्टूडेंट. *इंटरनेशनल जर्नल फॉर रिसर्च इन एजुकेशन.* 3(5), पृ.सं. 35–37.

खुर्शीद, एफ. और एफ. तबुसुम. 2012. द नीड ऑफ करियर काउंसलिंग एट द हायर सेकेंडरी लेवल. *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंग्लिश और एजुकेशन.* 1(2), पृ.सं. 319–331.

जोशी, ए., और एस. कश्यप. 2014. महाविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों की करियर के प्रति सजगता का अध्ययन— एक सर्वेक्षण. *भारतीय आधुनिक शिक्षा.* 35(1), पृ.सं. 61–71.

नग'एनो, जी.के. और ए. मगुटा, 2014. स्टूडेंटस' परसेप्शन ऑफ थे इम्पैक्ट ऑफ गाइडेंस और काउंसलिंग प्रोग्राम्स ओन द सैटीसफैक्शन ऑफ वोकेशनल नीड्स इन सिलेक्टेड केन्या सेकेंडरी स्कूल. *जर्नल ऑफ एजुकेश्न और प्रैक्टिस.* 5(36), पृ.सं. 171–179.

पंजाब करियर परामर्श पोर्टल योजना 2023. https://www.sarkariyojnaye.com/punjab-career-guidance-portal-online-registration/ से प्राप्त किया गया।

बकर, ए.आर., एन.एस. ज़कारिया और एस. मोहमद. 2011. मलेशियन काउंसलरस सेल्फ-अफ्फिसेसी इम्प्लीकेशन फॉर करियर काउन्सलिंग. *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बिजनस एंड मैनेजमेंट.* 6(9), पृ.सं. 141–147.

महा करियर पोर्टल योजना 2023. https://www.pmmodiyojnaa.in/maha-career-portal-registration-2023/

मेंटर कार्यक्रम दिल्ली सरकार 2022. https://hindicurrentaffairs.adda247.com/arvind-kejriwal-launches-desh-ke-mentor-programme/ से प्राप्त किया गया।

श्रीवास्तव, एन. और एस. प्रीति 2015. शासकीय एवं अशासकीय विद्यालय में अध्ययनरत कक्षा 10वीं के विद्यार्थियों के निर्देशन की आवश्यकता का तुलनात्मक अध्ययन. *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंटिफिक रिसर्च.* 4(5), पृ.सं. 04.